मासिक पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-17
कक्षा : नौवीं
विषय : हिंदी

महीना	विषय वस्तु	उद्देश्य	प्रस्तावित क्रियाएं
अप्रैल	**कविता :** कबीर दोहावली	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.भक्तिभावना उत्पन्न करना। 3.नैतिक व चारित्रिक विकास करना। 4.प्रेरणादायक दोहों से जीवन के सत्य को पहचानने के योग्य बनाना। 5.संगीतात्मकता का महत्व बताना।	1.ऑडियो/वीडियो सी.डी. आदि से दोहों का रसास्वादन करवाया जाये। 2.कविता का सरलार्थ करवाया जाये । 3.विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणादायक अन्य पदों का संकलन करवाया जाये।
	कहानी : पंच परमेश्वर	1.सच्चा आदर्श पेश करना। 2.सच्ची मित्रता की भावना उत्पन्न करना। 3.निष्पक्ष न्याय के प्रति भावना विकसित करना। 4.कहानी के मूलभूत अंतिम उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम का समावेश की अनुभूति करवाना।	1..अपने गाँव में लगने वाली ग्राम पंचायत के बारे में चर्चा की जाये। 2. 'मित्र को महत्व दें अथवा न्याय व्यवस्था को ' - इस विषय पर विद्यार्थियों के बीच चर्चा करते हुए उन्हें अपने विचार हिंदी में रखने का अवसर दिया जाये।
	व्याकरण : भाषा और लिपि	1.भाषा और लिपि का महत्व बताना । 2.हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि का महत्व बताना ।	1.कक्षा में अध्यापक व विद्यार्थियों के द्वारा हिंदी में बातचीत की जाये। 2.भाषा का महत्व बताया जाये। 3.पंजाबी.अंग्रेज़ी व हिंदी लिपियों के कुछ वाक्यों का अनुवाद व लिप्यंत्रण करके चार्ट बनाया जाये। 4.विभिन्न भाषाओं के आपसी सम्बन्धों पर चर्चा की जाये।
	मुहावरे : 1-20	1.व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	लोकोक्तियाँ : 1-10	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.अध्यापक अथवा विद्यार्थी द्वारा लोकोक्तियों से सम्बन्धित कोई छोटे प्रसंग/ लघुकथा की चर्चा की जाये। 2.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से लोकोक्तियों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 3.लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	अनुवाद : पंजाबी से हिंदी वाक्यों का अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना ।	1.पंजाबी व हिंदी की ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक वाक्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	अनुच्छेद : नए स्कूल में मेरा पहला दिन	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का करना। विकास 2.स्मरण शक्ति विकसित करना। 3.भावनात्मकता का विकास करना।	1.' नए स्कूल में मेरा पहला दिन' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	पत्र : अपनी माता जी को वार्षिक परिणाम का विवरण देते हुए पत्र	1. अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.आत्मविश्वास विकसित करना। 4.नैतिक भावना विकसित करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
मई	**कविता :** सूरदास के	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना।	1.ऑडियो/वीडियो सी.डी. आदि से सूरदास के पदों रसास्वादन करवाया जाये।

	पद	2.श्रीकृष्ण की बाल-लीलाओं से परिचित करवाना। 3.वात्सल्य भाव से अवगत कराना। 4.संगीतात्मकता का महत्व बताना।	2.विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणादायक अन्य पदों का संकलन करवाया जाये। 3.माता-पिता और सन्तान के अटूट रिश्तों के सम्बन्ध में कक्षा में विदयार्थियों के अनुभव बाँटे जायें। 4.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	निबन्ध : नींव की ईंट	1.देश और समाज की भलाई के लिए जागरूकता पैदा करना। 2.नींव की ईंट का वास्तविक ज्ञान देना। नींव की ईंट के माध्यम से बच्चों को नि:स्वार्थ त्याग और बलिदान की प्रेरणा देना।	1.'नींव की ईंट' पाठ के मूलभाव की कक्षा में चर्चा की जाये। 2.पाठ से मिलने वाले संदेश को अपने शब्दों में लिखवाया जाये। 3. भारत देश की नींव -शीर्षक के अन्तर्गत देशभक्तों/महापुरुषों का सचित्र चार्ट बनायें ।
	व्याकरण : वर्ण	1.व्याकरण का व्यावहारिक ज्ञान देना । 2.मानक वर्णों का ज्ञान देना	1.मानक वर्णों का चार्ट बनवायें। 2.मानक वर्णों का शब्दों में अधिकाधिक प्रयोग करवाया जाये।
	अनुवाद : पंजाबी से हिंदी वाक्यों का अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना ।	1.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनवाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक वाक्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	अनुच्छेद : मोबाइल फोन और विद्यार्थी	1.बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.मोबाइल के लाभ और हानियों के प्रति जागरूक करना। 3.सामाजिक व नैतिक मूल्य विकसित करना।	1.' मोबाइल फोन और विद्यार्थी' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3. मोबाइल के लाभ व हानियों सम्बन्धी चार्ट बनवायें।
	अनुच्छेद : पुस्तकालय के लाभ	1.बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.पुस्तकालय का महत्व बताना। 3.विद्यालय के पुस्तकालय से परिचित कराना। 4.नैतिकता का विकास करना।	1.' पुस्तकालय के लाभ' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3. विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं की सूचि बनवायें।
	पत्र : अपने पुराने स्कूल के अध्यापक कोपत्र,जिसमें उन्हें अच्छा पढ़ाने के लिए साधुवाद प्रकट किया गया हो तथा भविष्य में मार्गदर्शन की अपेक्षा की गयी हो ।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.आत्मविश्वास विकसित करना। 4.सामाजिक व नैतिक भावना विकसित करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
जून	**ग्रीष्मावकाश के दौरान अध्यापक अपनी सुविधानुसार विद्यार्थियों को कोई न कोई रचनात्मक कार्य दे सकता है।**		
जुलाई	**कविता :** कर्मवीर	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.कवि की अनुभूति का ज्ञान कराते हुए काव्य का भावार्थ ग्रहण करने की क्षमता उत्पन्न करना। 3.कर्मशीलता पर समुचित प्रकाश डालना। 4. विद्यार्थियों को कविता लिखने की प्रेरणा देना।	1.विद्यार्थियों को उनकी खूबियों के बारे में हिंदी में बताने को कहा जाये। 2.पढ़ाई सम्बन्धी कमियों से भागने की अपेक्षा उन्हें दूर करने के उपायों की चर्चा की जाये। 3.सच्चे कर्मवीर एवं दृढ़-संकल्पशील नेताओं की जीवनियाँ पढ़कर उन पर हिंदी में चर्चा की जाये। 4.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	कहानी : पाजेब	1.सच्चा आदर्श पेश करना। 2.बाल मनोविज्ञान को समझाना। 3. कोई भी निर्णय लेने से पहले अपने	1.विद्यार्थियों को कहानी के पात्र बनाकर कहानी के चुटीले व स्वाभाविक संवाद बुलवाये जायें। 2.'डाँट,मार और भय का बच्चों पर असर'-विषय पर

		व्यवहार का पुनर्निरीक्षण करने का ज्ञान देना। 4. कहानी के मूलभूत अंतिम उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम के समावेश की अनुभूति कराना।	विद्यार्थियों के हिंदी में विचार जानें। 3. संवाद प्रधान इस कहानी को विद्यार्थियों को स्कूल रंगमंच पर खेलने का अवसर दिया जाये। 4.विद्यार्थियों जैनेन्द्र कुमार की बाल मनोविज्ञान पर आधारित अन्य कहानियों को पढ़ने के लिए प्रेरित करें।
	निबन्ध : हिम्मत और ज़िंदगी	1.हिम्मत ,परिश्रम,साहस,कर्मठता आदि के प्रति निष्ठा उत्पन्न करना। 2.विवेकशीलता उत्पन्न करना। 3.सुख-दु:ख, हार-जीत को समान दृष्टि से देखना सिखाना।	1.विद्यार्थियों के जीवन अथवा आस पास घटित हिम्मत और साहस से भरी बातें हिंदी में सुनी जायें। 2. साहसी व्यक्तियों / महापुरुषों के चित्र एकत्र करना व उनकी कहानियों की कक्षा में हिंदी में चर्चा की जाये। 3.पाठ में आए हिम्मत और साहस देने वाले वाक्यों को लिखने को कहा जाये। 4.पाठ के मूल संदेश को लिखने को कहा जाये।
	व्याकरण : वर्तनी	1.हिंदी के वर्णों का समुचित ज्ञान देना। 2.शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना। 3.शब्द भंडार विकसित करना।	1.शुद्ध वर्तनी प्रतियोगिता करवायी जाये। 2.अशुद्ध शुद्ध वर्तनी का चार्ट बनाया जाये। 3. रिक्त स्थान की पूर्ति शुद्ध शब्द से करवायी जाये।
	अपठित गद्यांश	1.ज्ञान में वृद्धि करना। 2.दिए गए गद्यांश के मूल भाव को समझना। 3.स्वाध्याय में रुचि बढ़ाना।	विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में से गद्यांश चुनकर उसमें से प्रश्न बनाकर उनके उत्तर ढूँढ़ने के लिए कहा जाये।
	मुहावरे : 21-40	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	अनुच्छेद : स्वास्थ्य और व्यायाम	1.बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.व्यायाम द्वारा स्वस्थ रहने की जानकारी देना। 3.व्यायाम के विभिन्न तरीकों की जानकारी देना।	1.‘ स्वास्थ्य और व्यायाम ’ सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3.छात्रों को आस-पास के किसी योग केन्द्र की सदस्यता लेने और इस अनुभव को कक्षा में बाँटने को कहा जाये। 4. टेलिविज़न पर प्रसारित होने वाले स्वास्थ्य और व्यायाम सम्बन्धी कार्यक्रमों को देखने और अपने अनुभव कक्षा में बाँटने को कहा जाये।
	अनुच्छेद रामलीला देखने का अनुभव	1.बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.भारत की प्राचीन संस्कृति से परिचित कराना। 3.रंगमंच/नाटक/अभिनय/मेकअप/निर्देशन संगीत आदि में रुचि पैदा करना।	1.‘रामलीला देखने का अनुभव’ सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3. टेलीविज़न/अपने आस-पास मंचित होने वाली रामलीला को देखने के लिए प्रेरित करें।
	पत्र : आपको आपके पुराने मित्र का चार साल बाद पत्र मिला। उसके पत्र का जवाब देते हुए पत्र	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सामाजिक मूल्यों का विकास करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
अगस्त	**निबन्ध :** राष्ट्रभक्त : मदनलाल ढींगरा	1.देशभक्ति की भावना विकसित करना। 2. मदनलाल ढींगरा की देशभक्ति से परिचित कराना।	1.छात्रों द्वारा मदनलाल ढींगरा के विचारों को स्कूल की प्रार्थना सभा में प्रस्तुत किया जाये। 2.अन्य देशभक्तों की जीवनियाँ पढ़ने और उनके विचारों को जीवन में धारण करने की प्रेरणा दी जाये।
	एकांकी : शिवाजी का सच्चा स्वरूप	1.मानव मूल्यों की स्थापना करना । 2.शिवाजी का महान और उच्च चरित्र प्रस्तुत करना। 3.महिलाओं के प्रति आदर भाव जागृत	1.शिवाजी के अन्य प्रेरक प्रसंग पढ़ने को कहा जाये। 2.एकांकी को स्कूल मंच पर मंचित करवाया जाये। 3.यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफला: क्रिया:।। विषय को

		करना ।	स्पष्ट करते हुए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाये।
	व्याकरण : लिंग, वचन	व्यावहारिक व्याकरण का ज्ञान देना। लिंग और वचन के व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान देना।	1.लिंग और वचन परिवर्तन के उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये। 2.पंजाबी व हिंदी में लिंग परिवर्तन के अंतर को समझते हुए हिंदी में लिंग और वचन परिवर्तन के अधिकाधिक उदाहरण लिखवाये जायें।
	लोकोक्तियाँ : 11-20	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.अध्यापक अथवा विद्यार्थी द्वारा लोकोक्तियों से सम्बन्धित कोई छोटे प्रसंग/ लघुकथा की चर्चा की जाये। 2.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से लोकोक्तियों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 3.लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	अनुवाद : पंजाबी से हिंदी वाक्यों का अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना।	1.पंजाबी व हिंदी की ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनवाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक वाक्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	अनुच्छेद : मधुर वाणी	1.बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.मधुर वाणी का महत्व बताना।	1.' मधुर वाणी ' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	पत्र : अपने फुफेरे भाई को राखी भेजते हुए पत्र	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों का विकास करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
सितम्बर	**अध्यापक दिवस / हिंदी दिवस पर प्रतियोगिताएं करवायी जायें । दोहराई एवं परीक्षा (पाठ्यक्रम : अप्रैल-अगस्त)**		
अक्तूबर	**कविता :** झाँसी की रानी की समाधि पर	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.देशभक्ति की भावना उत्पन्न करना। 3.कवयित्री की अनुभूति का ज्ञान कराते हुए काव्य का भावार्थ ग्रहण करने की क्षमता उत्पन्न करना। 4.रानी लक्ष्मी और अन्य वीरांगनाओं के बारे में जानकारी देना।	1. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 2.स्वतन्त्रता सेनानियों के चित्र/डाक टिकटें इकट्ठी करने को कहा जाये। 2. रानी झाँसी व अन्य स्वतन्त्रता सेनानियों की जीवनियाँ पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाये।
	अनुच्छेद : हिंदी भाषा की उपयोगिता	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.भाषा के महत्त्व पर प्रकाश डालना । 3.हिन्दी भाषा के महत्त्व पर प्रकाश डालना।	1.'हिंदी भाषा की उपयोगिता' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3. हिंदी भाषा संबंधी भाषण,कविता वाचन,कविता गायन, सुंदर लिखाई आदि प्रतियोगिताएं करवायी जायें।
	व्याकरण : तत्सम-तद्भव	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.तत्सम-तद्भव का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.तत्सम-तद्भव अधिकाधिक शब्दों का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.तत्सम-तद्भव शब्दों का चार्ट बनवायें।
	अनुच्छेद : जब मेरी माँ बीमार पड़ गई	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.पारिवारिक व नैतिक मूल्यों का विकास करना। 3.माता- पिता के काम में हाथ बंटाने के लिए प्रेरित करना। 4. सहयोग की भावना विकसित करना।	1.' जब मेरी माँ बीमार पड़ गई' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अनुच्छेद : मैंने गर्मियों	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना।	1.' मैंने गर्मियों की छुट्टियाँ कैसे बितायीं' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद

	की छुट्टियाँ कैसे बितायीं	2.बच्चों को डायरी लिखने के लिए प्रेरित करना	लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	पत्र : अपनी सखी को अपने जन्म दिन पर निमन्त्रण देते हुए पत्र	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना । 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों का विकास करना ।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया
	कहानी : दो हाथ	1.कर्म के सौन्दर्य की अमूल्य कीमत का संदेश बच्चों तक पहुँचाना। 2.आत्मविश्वास विकसित करना। 3.पढ़ाई के साथ-साथ पाठ्य सहायक क्रियाओं में रुचि विकसित करना।	1.माता-पिता के साथ बच्चों के सहयोग की चर्चा कक्षा में की जाये। 2.कर्मशील व्यक्तियों के चित्र इकट्ठे करने एवं उनके जीवन चरित्र पढ़ने की प्रेरणा दी जाये। 3. 'कर्मशीलता ही हाथों की शोभा है'-इस विषय पर भाषण प्रतियोगिता करवायें।
	पत्र : अपनी सहेली को प्रतियोगी परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई पत्र	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना । 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों का विकास करना ।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
नवम्बर	**कहानी :** साए	1.पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों का विकास करना । 2.ईमानदारी की भावना विकसित करना। 3.कठिनाई के समय अपने मित्र की सहायता करने के लिए प्रेरित करना । 4.कहानी के मूलभूत अंतिम उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम के समावेश की अनुभूति करवाना।	1.परोपकार और ईमानदारी से सम्बन्धित कहानियाँ पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाये। 2.यदि आप उस वृद्ध की जगह होते तो क्या करते ? इस पर विद्यार्थियों से चर्चा की जाये। 3.परिवार को पिता की मृत्यु की सूचना न देकर मित्र ने सही किया या बुरा किया- इसके पक्ष और विपक्ष में विद्यार्थियों के साथ चर्चा की जाये।
	निबन्ध : एक अंतहीन चक्रव्यूह	1.नशे की लत के घातक नतीजों के बारे में जानकारी देना। 2. नशा न करने व सत्संगति करने के लिए प्रेरित करना । 2.सकारात्मक जीवन जीने की ओर प्रेरित करना । 4.दृढ़-निश्चयी व ज़िम्मेदार नागरिक बनाना।	1.नशा उन्मूलन प्रभावशाली नारे लिखवाये जायें। 2.नशा उन्मूलन रैली निकाली जाये। 3.नशा उन्मूलन विषय पर भिन्न-भिन्न प्रतियोगिताएं करवायी जायें।
	अनुच्छेद : जब मैं मॉल में शॉपिंग करने गयी	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2. क्रय-विक्रय का ज्ञान देना । 3. शॉपिंग के आधुनिक केन्द्रों से परिचित कराना।	1.' जब मैं मॉल में शॉपिंग करने गयी' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अनुच्छेद : पर उपदेश कुशल बहुतेरे	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.दूसरों में सुधार लाने से पहले अपने आपमें सुधार लाने के लिए प्रेरणा देना ।	1.' पर उपदेश कुशल बहुतेरे' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	पत्र : अपने जन्म दिन पर भेजे गये उपहार के लिए अपने ताया जी को धन्यवाद पत्र	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना । 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों का विकास करना ।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
	पत्र : बड़ी	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट

	बहन द्वारा छोटे भाई को पढ़ाई में ध्यान लगाने व कुसंगति से बचने के लिए पत्र	का ज्ञान देना । 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों का विकास करना ।	बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
	व्याकरण : उपसर्ग-प्रत्यय	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.उपसर्ग-प्रत्यय का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1. उपसर्ग-प्रत्यय के प्रयोग से अधिकाधिक नए शब्द बनवाये जायें। 2.उपसर्ग-प्रत्यय से शब्द निर्माण सम्बन्धी चार्ट बनायें।
	व्याकरण :मुहावरे-40-60	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
दिसम्बर	**कविता :** मैंने कहा,पेड़	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.पेड़ की सहनशीलता और सबलता के बारे में बताते हुए उससे शिक्षा लेने की प्रेरणा देना । 3.परोपकार की भावना उत्पन्न करना।	1.पेड़ धरा आभूषण, करता दूर प्रदूषण' -इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। 2.जन्म दिन पर स्वेच्छानुसार कोई पौधा लगाकर उसका संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया जाये। 3.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	निबन्ध : बचेंद्री पाल	1.बचेंद्री पाल के संघर्षमय जीवन के बारे में बताना । 2.जीवन के मार्ग पर हर परिस्थिति में अग्रसर रहने की प्रेरणा देना ।	1.इंटरनेट पर बचेंद्री पाल अथवा किसी अन्य पर्वतारोही की यात्रा का अवलोकन करवाया जा सकता है। 2. 'मन के हारे हार है मन के जीते जीत' - विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। 3.विभिन्न क्षेत्रों में उच्च स्थान पर आसीन महिलाओं पर चर्चा करें व उनके चित्र चार्ट पर चिपकवायें।
	एकांकी : प्रकृति का अभिशाप	1.पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना। 2.प्राकृतिक साधनों के असावधानी पूर्वक प्रयोग करने के घातक परिणामों से अवगत कराना । 3.अभिनय कौशल प्रदान करना। 4.प्रकृति प्रेमी बनाना।	1.प्रदूषण उन्मूलन प्रभावशाली नारे लिखवाये जायें। 2. प्रदूषण उन्मूलन रैली निकाली जाये। 3. प्रदूषण उन्मूलन विषय पर भिन्न-भिन्न प्रतियोगिताएं करवायी जायें। 4. प्रदूषण उन्मूलन विषय पर आयोजित कार्यशालाओं में भाग लें।
	अनुच्छेद : परीक्षा से एक दिन पूर्व	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2. परीक्षा का डर समाप्त करना । 3.स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देना ।	1.' परीक्षा से एक दिन पूर्व' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अनुच्छेद : मन के हारे हार है मन के जीते जीत	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति विकसित करना । 2. सकारात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करना। 3.स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देना ।	1.' मन के हारे हार है मन के जीते जीत ' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	पत्र : स्टेडियम में क्रिकेट मैच देखने के लिए अपने चाचा जी को पत्र	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना । 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों का विकास करना । 4. खेलों के प्रति जिज्ञासा की प्रवृत्ति विकसित करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
	पत्र :अपनी सहेली को सर्दियों की छुट्टियाँ अपने घर	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना । 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सामाजिक मूल्यों का विकास करना ।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र

	बुलाने का निमंत्रण पत्र		लिखवाया जाये।
	व्याकरण : विराम चिह्न	1.व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2.विराम चिह्नों का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3. विराम चिह्नों का महत्व बताना।	1. अधिकाधिक वाक्यों के द्वारा विराम-चिह्नों के उदाहरण करवाये जायें। 2.विराम चिह्नों का चार्ट बनवायें।
	व्याकरण : लोकोक्तियाँ (21-30)	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.अध्यापक अथवा विद्यार्थी द्वारा लोकोक्तियों से सम्बन्धित कोई छोटे प्रसंग/ लघुकथा की चर्चा की जाये। 2.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से लोकोक्तियों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 3.लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
जनवरी	**कविता :** पाँच मरजीवे	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.खालसा पंथ की नींव की ऐतिहासिक घटना से परिचित करवाना। 3.देश प्रेम व बलिदान की भावना जागृत करना। 4.गुरु गोबिन्द सिंह जी के महान व अद्वितीय व्यक्तित्व से परिचित कराना। 5.भेदभाव रहित जीवन जीने की प्रेरणा देना।	1. गुरु गोबिन्द सिंह जी के जन्म दिवस के अवसर पर उनके प्रेरणादायक विचार प्रार्थना सभा में प्रस्तुत करें । 2.श्री आनन्दपुर साहिब के ऐतिहासिक स्थलों के चित्र व जानकारी इकट्ठी करने की प्रेरणा दी जाये। 3. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 4.आनन्दपुर व अन्य ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन करने की ओर उन्मुख किया जाये।
	कहानी : वह चिड़िया एक अलार्म घड़ी थी	1.पशु-पक्षियों के प्रति दया का भाव रखने योग्य बनाना। 2. दूसरों के किए हुए उपकारों को याद रखने योग्य बनाना। 3.बच्चों को इस बात से अवगत कराना कि कभी-कभी कोई छोटा जीव भी हमारी आदत/जीवन शैली बदल सकता है ।	1.पशु-पक्षियों के प्रति किए किसी अद्भुत काम की कक्षा में चर्चा हिंदी में की जाये। 2.चिड़िया और प्रात:कालीन सौन्दर्य पर कविताओं का संकलन करवाया जाये।
	निबन्ध : कैसे बचें उपभोक्ता धोखाधड़ी से	1.उपभोक्ता को उसके अधिकारों से अवगत कराना । 2.निडर व जागरूक उपभोक्ता बनाना ।	1.उपभोक्ता व उसके अधिकारों की सुरक्षा को लेकर रेडियो व टेलीविज़न पर नाटिकाएं सुनने व देखने के प्रति जागरूक किया जाये। 2.उपभोक्ता के अधिकारों के हनन सम्बन्धी विद्यार्थियों से उनके विचार हिंदी में सुने जायें। 3.छात्रों को स्कूल में चल रहे लीगल लिटरेसी क्लब का सदस्य बनाया जाये।
	अनुच्छेद : दहेज प्रथा : एक सामाजिक कलंक	1. रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2. सामाजिक बुराइयों के बारे में बताना और उनके समाधान के लिए प्रेरित करना ।	1.' दहेज प्रथा : एक सामाजिक कलंक ' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3. दहेज न लेने व न देने की शपथ दिलायी जाये ।
	अनुच्छेद : जल के प्रयोग में व्यावहारिकता	1.प्राकृतिक साधनों के सावधानी पूर्वक प्रयोग के लिए प्रेरित करना । 2.जल के प्रयोग में व्यावहारिक बनने की प्रेरणा देना।	1.' जल के प्रयोग में व्यावहारिकता' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	पत्र : वॉलीबॉल के ट्रेनिंग कैम्प से अपनी माता को कुशलता का समाचार देते	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना । 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सामाजिक मूल्यों का विकास करना । 4. दूसरों की संवेदना को समझने योग्य बनाना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।

	हुए पत्र	5.आशावादी दृष्टिकोण उत्पन्न करना।	
	पत्र : परीक्षा न देने के कारण अपने परेशान मित्र को हौसला देते हुए सकारात्मक रवैया अपनाने के लिए कहते हुए पत्र	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना । 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सामाजिक मूल्यों का विकास करना । 4. दूसरों की संवेदना को समझने योग्य बनाना। 5.आशावादी दृष्टिकोण उत्पन्न करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
	अपठित गद्यांश	1.ज्ञान में वृद्धि करना। 2.दिए गए गद्यांश के मूल भाव को समझना। 3.स्वाध्याय में रुचि बढ़ाना।	विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में से गद्यांश चुनकर उसमें से प्रश्न बनाकर उनके उत्तर ढूँढ़ने के लिए कहा जाये ।
फरवरी	**विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी के महत्त्व के बारे में बताया जाए ।**		
मार्च	**दोहराई एवं प्री बोर्ड मूल्यांकन**		
	दोहराई एवं वार्षिक परीक्षा		

नोट :1.उपर्युक्त के अतिरिक्त पाठ्य-पुस्तकों में पाठों के अंत में दिए गए अभ्यास करवाये जायें ।
2.उपर्युक्त प्रस्तावित क्रियाओं के अतिरिक्त अध्यापक अन्य सम्भावित समुचित क्रियाओं को भी सुविधानुसार करवा सकता है।